an>

Title: Regarding C-SAT System for UPSC Examinations in the country.

**श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज):** माननीय सभापति जी, मैं एक ऐसे प्रश्न को सदन में उपस्थित करना चाहता हूं जो देश के लाखों छात्र और छात्राओं से जुड़ा हुआ है। इन छात्र-छात्राओं को अपने कमरे में बैठकर सिविल सर्विसिस की तैयारी करनी चाहिए लेकिन यही छात्र और छात्राएं आज दिल्ली के मुखर्जी नगर, इलाहाबाद, पटना और देश की तमाम राजधानियों में आंदोलन करने के लिए बाध्य हो रहे हैं। उनके अभिभावकों ने सपना देखा था कि हमारा बच्चा कुशाग्र, बुद्धिमान है और पढ़ने में बहुत तेज है इसलिए सिविल सर्विसिस परीक्षा पास करके देश की सेवा करेगा, देश के विकास में योगदान देगा। लेकिन आज इन निरपराध छात्र और छात्राओं पर मुकदमे कायम हो रहे हैं क्योंकि ये पूजातांत्रिक ढंग से केवल अपनी आवाज उठा रहे हैं कि सिविल सर्विसिस में जो सी-सैट प्रणाली लागू की गई है इसे समाप्त किया जाए। आखिर यह सी-सैट प्रणाली है क्या? सिविल सर्विसिस एप्टीट्यूट टैस्ट जिसमें एक सब्जेक्ट इंगलिश का ऐसा कर दिया गया है जिससे लाखों हिंदी छात्र और छात्राओं के लिए, जो हिंदी भाषी इलाके के हैं, यह एप्टीट्यूट टैस्ट बहुत कठिन हो गया है। जिसका कारण यह है कि जहां सिविल सर्विसेज में देश के यूपी, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, झारखंड आदि राज्यों के छात्र-छात्राओं की बड़ी संख्या होती थी, वे फाइनल प्रिलिमिनरी पास करके निकलते थे, आज उनकी संख्या निरंतर घटती जा रही है। क्या किसी में कुशाग्रता, किसी में मेधावी चीजें रहते हुए अगर वह कैंडिडेट परीक्षा प्रणाली की किसी कठिनाई के कारण से परीक्षा में बैठने से रह जाता है तो यह उचित नहीं है।

अंत में मैं एक खास बात कहना चाहता हूं कि गृह मंत्री जी ने आश्वासन दिया था, एक तरफ प्रिलिमिनरी के एग्जाम डिक्लेयर हो गये हैं, प्रारम्भिक परीक्षाओं की जो प्रशासनिक प्रणाली है, उसकी तिथि घोषित हो चुकी है, दूसरी तरफ सरकार के द्वारा दिये गये आश्वासन के बावजूद अभी तक इसका कोई समाधान नहीं निकला है।

मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि जब तक इसका कोई समाधान न हो जाए, तब तक संघ लोक सेवा आयोग की जो प्रारम्भिक परीक्षा, प्रिलिमिनरी एग्जाम की जो तिथियां घोषित हुई हैं, वे डेट स्थगित की जाए।

HON. CHAIRPERSON : S/Shri

P.P. Chaudhary,

Ravindra Kumar Pandey,

Sharad Tripathi and

Vinod Kumar Sonkar are allowed to associate themselves with the matter raised by Shri Jagdambika Pal.